

06 सितम्बर 2022 को शिक्षक पर्व के दूसरे दिन दयानन्द सुभाष नेशनल (पी.जी.) कॉलेज, उन्नाव में Role of Teachers as per NEP 2020 (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार शिक्षकों की भूमिका) विषय पर एक वेबिनार एवं पैनल चर्चा का आयोजन किया गया।

वेबिनार के आरम्भ में डॉ॰ सुदर्शन सिंह, शिक्षाशास्त्र विभाग ने कार्यक्रम की रूपरेखा एवं अतिथियों का परिचय दिया। इसी क्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर आनंद शुक्ल ने अतिथियों का आभासिक मंच पर स्वागत किया और आज के विषय का प्रवर्तन किया।

सर्वप्रथम मुख्य वक्ता प्रोफेसर प्रदीप कुमार पाण्डेय, स्कूल ऑफ एजुकेशन, उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने अपने वक्तव्य में बताया कि शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन की रणनीतियों की चुनौतियों को स्वीकार करना होगा। शिक्षण पद्धति में बदलाव की आवश्यकता पर जोर दिया। शिक्षकों को तकनीकी रूप से दक्ष होना होगा। शिक्षकों को ऑनलाइन माध्यम से ज्ञान प्राप्त करना होगा, प्लेजिजिज्म की भी आपने चर्चा की और साथ ही कौशल विकसित करने की बात की।

पैनलिस्ट डॉ॰ नेहा जैन, अध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, पं. दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय, लखनऊ ने शिक्षकों को आत्ममूल्यांकन करने की बात कही और विशिष्ट बच्चों की क्षमताओं की पहचान करने पर बल दिया। सूचनाओं और ज्ञान में अन्तर करना शिक्षक ही सिखा सकता है। अगले पैनलिस्ट के रूप में प्रो. जबा कुसुम, अंग्रेजी विभाग, एएनडी कॉलेज, कानपुर ने बताया कि शिक्षकों की बड़ी जिम्मेदारी आन्तरिक मूल्यांकन की है इसके लिए शिक्षकों को अपने ज्ञान और तकनीकी में वृद्धि करना होगा।

डॉ॰ सुनील उपाध्याय, बीएड विभाग, डीबीएस कॉलेज, कानपुर ने गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा की बात की। अगले पैनलिस्ट के रूप में डॉ॰ आकाश वर्मा, बीएड विभाग, वीएसएसडी कॉलेज, कानपुर ने कहा कि शिक्षकों का सम्मान पुनः वापस हो और भारत विश्व गुरु बने। आपने अवगत कराया कि समावेशी कक्षाओं के लिए अभी तक कोई तकनीकी विकसित नहीं हुई है। अन्तिम वक्ता के रूप में डॉ॰ संजय तिवारी, डाइट, मोतिहारी, बिहार ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षकों को जॉब सैटिस्फैक्शन जरूरी है तभी शिक्षक पूर्ण आत्मविश्वास से अपना काम कर सकेगा।

कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ॰ सुनील वर्मा, बीएड विभाग ने किया और आभार डॉ॰ रंजना त्रिपाठी, संस्कृत विभाग ने किया।

इस आभासिक पटल से महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं अन्य महाविद्यालयों के अनेक शिक्षक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं भी जुड़े रहे।







